Q. स्वास्थ्य देखभाल से क्या आशय है? स्वास्थ्य देखभाल के उद्देश्य व प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

What is health care? Explain objectives of health care and characteristics of effective health care.

उत्तर-

स्वास्थ्य देखभाल (Health Care) –

विभिन्न शारीरिक तथा मानसिक बीमारियों, चोटों एवं अपंगताओं का निदान (diagnosis), उपचार (treatment) तथा रोकथाम (prevention) ही स्वास्थ्य देखभाल कहलाती है।

स्वास्थ्य देखभाल के अन्तर्गत व्यक्तियों में पाई जाने वाली विभिन्न शारीरिक तथा मानसिक बीमारियों की रोकथाम हेतु विभिन्न उपाय किए जाते हैं और बीमारियों के हो जाने पर इनका अतिशीघ्र निदान कर मरीज का उचित उपचार किया जाता है ताकि लोगों के जीवन को उन्नत एवं खुशहाल बनाया जा सके।

Diagnosis, treatment and prevention of various physical and mental diseases, injuries and disabilities is called health care.

Under health care, various measures are taken to prevent various physical and mental diseases found in people and when diseases occur, they are diagnosed as soon as possible and the patient is given proper treatment so that people's lives can be made better and happier.

स्वास्थ्य देखभाल के उद्देश्य (Objectives of Health Care) –

व्यक्ति, परिवार तथा समुदाय को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल के उद्देश्य निम्न हैं-

1. स्वास्थ्य को बढ़ावा देना
2. बीमारियों की रोकथाम
3. बीमारियों का समय पर निदान
4. स्वास्थ्य की पुनर्स्थापना
5. आवश्यकतानुसार मरीजों का पुर्नवास

The objectives of health care provided to the individual, family and community are as follows-

1. Promotion of health

2. Prevention of diseases

3. Timely diagnosis of diseases

4. Restoration of health

5. Rehabilitation of patients as per need

प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल की विशेषताएं (Characteristics of Effective Health Care)

प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं-

1. उपलब्धता (Availability)

स्वास्थ्य देखभाल लोगों को आसानी से उपलब्ध तथा पहुँच में होनी चाहिए, उसका क्रियान्वयन इस तरह किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक उसका लाभ उठाया जा सके।

2. पर्याप्तता (Adequacy)

व्यक्ति, परिवार तथा समुदाय को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकतानुसार अर्थात लोगों की जरूरत के अनुसार होनी चाहिए। उदाहरणार्थ- जनसंख्या के अनुसार अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्र, चिकित्सक तथा नसों की संख्या पर्याप्त होनी चाहिए।

3. व्यापकता (Comprehensiveness)

व्यक्ति, परिवार व समाज को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल में व्यापकता होनी चाहिए अर्थात् इसमें सभी प्रकार की देखभाल का समावेश होना चाहिए-

The main characteristics of effective health care are as follows-

1. Availability

Health care should be easily available and accessible to the people, it should be implemented in such a way that maximum benefits can be availed from it.

2. Adequacy

Health care provided to the individual, family and community should be as per the requirement i.e. according to the needs of the people.

For example- the number of hospitals, health centres, doctors and nurses should be adequate according to the population.

3. Comprehensiveness

Health care provided to the individual, family and society should be comprehensive i.e. it should include all types of care-

(a) स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली देखभाल (Health Promotive Care)

(b) बीमारियों की रोकथाम करने वाली देखभाल (Disease Preventive Care)

(c) रोगों का निवारण करने वाली देखभाल (Curative Care)

(d) पुर्नवास संबंधित देखभाल (Rehabilitative Care)

4. सस्ती (Cost-effectiveness)

आदमी भी कर सके। स्वास्थ्य देखभाल की कीमत इतनी होनी चाहिए ताकि उसका उपयोग एक गरीब आदमी भी कर सके।

5. साध्यता (Feasibility) -

स्वास्थ्य देखभाल का नियोजन एवं क्रियान्वयन उपलब्ध संसाधनों पर आधारित होना चाहिए, यदि स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध संसाधनों, जैसे- मानव-शक्ति, धन, सामग्री, समय तथा आवश्यकतानुसार नियोजित एवं क्रियान्वित की जाती है तो ये अधिक प्रभावी साबित होगी।

6. संगत (Appropriateness) -

स्वास्थ्य देखभाल व्यक्ति, परिवार तथा समाज की जरूरत के अनुसार होनी चाहिए तथा इसमें आधुनिक तकनीकों का भी समावेश होना चाहिए ताकि स्वास्थ्य देखभाल का अच्छा लाभ मिल सके।

4. Cost-effectiveness - Even a common man can afford it. The cost of health care should be such that even a poor man can afford it.

5. Feasibility -

Planning and implementation of health care should be based on available resources.

If health care is planned and implemented as per available resources, such as manpower, money, material, time and as per requirement, then it will prove to be more effective.

6. Appropriateness -

Health care should be as per the need of the individual, family and society and it should also include modern techniques so that good benefits of health care can be obtained.

Q. रोग के प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

Explain the main principles of disease.

उत्तर- रोग के कारणों को स्पष्ट करने के लिए अलग-अलग वैज्ञानिकों ने अलग-अलग समय पर अलग-अलग सिद्धांत प्रतिपादित किए हैं जिसमें से कुछ निम्न हैं-

1. रोग का दैवीय सिद्धांत (Supernatural Theory) -

प्राचीन काल में मनुष्य में होने वाले रोगों के लिए भूत-प्रेत तथा दैवीय शक्ति आदि को जिम्मेदार माना जाता था।

उस समय ऐसा माना जाता था कि जब देवी-देवता नाराज हो जाते हैं तो उस व्यक्ति, परिवार तथा समुदाय को रोगग्रस्त कर देते हैं।

संभवतः उस काल में फैले हुए अंधविश्वास तथा अशिक्षा इस तरह की धारणा के मूल कारण थे।

2. रोग का मिएज्मेटिक सिद्धांत (Miasmatic Theory of Disease)

इस सिद्धांत के अनुसार प्रदूषित हवा (polluted air) ही व्यक्ति में रोग फैलने का

मुख्य कारण है।

Miasma एक प्राचीन ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ होता है- "प्रदूषण"। प्राचीन काल में भारत, यूरोप, चीन जैसे स्थानों पर इस सिद्धान्त को स्वीकार किया गया था।

19वीं शताब्दी में रोगाणुओं की खोज तथा रोग के रोगाणु सिद्धांत के प्रतिपादित हो जाने के बाद इस सिद्धांत की मान्यता कम हो गई थी।

3. रोग का रोगाणु सिद्धांत (Germ Theory of Disease) –

इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक बीमारी का कारण कोई न कोई सूक्ष्मजीव होता है। इस सिद्धांत का प्रतिपादन जीवाणुविज्ञानी (bacteriologist) लुई पाश्चर (Louis Pasteur) ने किया था।

4. एपिडेमियोलोजिकल ट्रायड सिद्धांत (Epidemiological Triad Theory)

इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक बीमारी के होने में तीन प्रकार के कारकों का योगदान होता है। इसी कारण इसे एपिडेमियोलोजिकल ट्रायड सिद्धान्त कहते हैं -

(a) एजेन्ट (Agent)

(b) पर्यावरण (Environment)

(c) मेजबान (Host)

5. बहुकारकीय सिद्धान्त (Multifactoreal Theory)

इस सिद्धांत के अनुसार रोग की उत्पत्ति के लिए एक नहीं अपितु अनेक कारक जिम्मेदार हैं।

रोग उत्पन्न करने में सूक्ष्म जीव के अलावा कई अन्य कारक जैसे- सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, आनुवांशिक, पोषणीय, मनोवैज्ञानिक तथा औद्योगिक कारक भी जिम्मेदार होते हैं।

To explain the causes of disease, different scientists have propounded different theories at different times, some of which are as follows-

1. Supernatural Theory of Disease -

In ancient times, ghosts and divine powers were considered responsible for the diseases that occur in humans.

At that time, it was believed that when the gods and goddesses get angry, they make that person, family and community sick.

Probably, the superstitions and illiteracy prevalent at that time were the main reasons for such a belief.

2. Miasmatic Theory of Disease

According to this theory, polluted air is the main reason for the spread of disease in a person.

Miasma is an ancient Greek word which means - "pollution". In ancient times, this theory was accepted in places like India, Europe, China.

After the discovery of germs in the 19th century and the

formulation of the germ theory of disease, the validity of this theory diminished.

3. Germ Theory of Disease –

According to this theory, every disease is caused by some microorganism. This theory was formulated by bacteriologist Louis Pasteur.

4. Epidemiological Triad Theory

According to this theory, three types of factors contribute to the occurrence of every disease. That is why it is called the Epidemiological Triad Theory –

(a) Agent

(b) Environment

(c) Host

5. Multifactoreal Theory

According to this theory, not one but many factors are responsible for the origin of the disease. Apart from micro-organisms, many other factors such as social, cultural, economic, genetic, nutritional, psychological and industrial factors are also responsible for causing diseases.